

# कुंडलिया

गिरिधर कविराय

## कवि परिचय :

गिरिधर कविराय के जीवन के बारे में प्रामाणिक जानकारी नहीं मिलती । शिवसिंह सेंगर ने इनका जन्मकाल सन् 1713 ई. बताया है । लोग इन्हें अवध का निवासी मानते हैं । कविराय नाम से ऐसा लगता है कि वे जाति के भाट थे । जो भी हो, गिरिधर कविराय रीतिकाल के प्रसिद्ध नीतिकाव्यकार के रूप में सुपरिचित हैं । उनकी कुंडलियाँ विख्यात हैं और उत्तर भारत की जनता में खूब प्रचलित हैं । इनमें दैनिक जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी बातें कही गई हैं । सीधी-सादी तथा सरल भाषा में रचित होने के कारण ये ज्यादा लोकप्रिय हुई । कुछ विद्वानों का मानना है कि 'साई' शब्दवाली कुंडलियाँ गिरिधर की पत्नी की रची हुई हैं । गिरिधर की कुंडलियाँ अधिकतर अवधी भाषा में ही मिलती हैं ।

बिना बिचारे जो करै, सो पाछे पछताय ।

काम बिगारै आपनो, जग में होत हँसाय ॥

जग में होत हँसाय, चित्त में चैन न पावै ।

खान-पान सनमान, राग रँग मनहिं न भावै ॥

कह गिरिधर कविराय, दुःख कछु टरत न टारे ।

खटकत है जिय माँहि, कियो जो बिना बिचारे ॥

पाछे - पीछे, बाद में । बिगारै - बिगाड़ना । आपनो - अपना । होत - होना ।  
हँसाय - हँसी, मज़ाक । चित्त - मन । चैन - आराम । पान - पीना । राग - गीत-संगीत ।  
भावै - पसंद आना । कछु - कुछ । टरत - टलना, हटना, दूर होना । टारे - टालना ।  
खटकत - बुरा लगना । जिय - हृदय, मन । माँहि - बीच में ।

यह कुंडलिया :

कवि का यह कहना है कि हर व्यक्ति को सोच विचार करके काम करना चाहिए । जो बिना सोच विचार के काम में लग जाता है उसे बाद में पछताना पड़ता है । क्योंकि उसका काम बिगड़ जाता है । संसार में वह हँसी का पात्र बनता है । मानसिक रूप से बेचैन रहता है । खान-पान और मान-सम्मान उसे अच्छे नहीं लगते । मनोविनोद के सारे साधन फीके लगते हैं । दुःख को दूर करने के सारे प्रयत्न बेकार हो जाते हैं । मूल्यवान समय बर्बाद हो जाता है । बार-बार यह बात उसके मन को व्यथित करती है कि बिना सोचे और विचारे मैंने यह काम क्यों किया ? अतएव जीवन में कोई भी काम करने से पहले हमें भली-भाँति सोच विचार कर लेना चाहिए ताकि बाद में पछताना न पड़े ।

प्रश्न और अभ्यास

1. दो-तीन वाक्यों में उत्तर दीजिए :

(क) बिना सोच और विचार के काम करने से क्या नतीजा होता है ?

2. एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :

(क) कौन पीछे पछताता है ?

(ख) जगत में किसकी हँसी होती है ?

- (ग) कौन अपना काम बिगाड़ता है ?  
 (घ) क्या टालने पर नहीं टलता ?  
 (ङ) मन में कौन-सी बात खटकती रहती है ?

### 3. खाली स्थान भरिए :

- (क) जग में होत हँसाय, ..... न पावै ।  
 (ख) ..... बिगारै आपनो, ..... में होत हँसाय ।  
 (ग) ..... , राग रँग मनहिं न भावै ।

### भाषा - ज्ञान

#### 1. नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाइए :

जग, चैन, खान-पान, दुःख

#### 2. दिये गये उदाहरणों की तरह पाठ से दूसरे तुकांत शब्दों को छाँटिए :

उदाहरण : पछताय  
 हँसाय

#### 3. 'खान-पान' का अर्थ है 'खान' और 'पान' । इसी प्रकार और पाँच उदाहरण दीजिए ।

#### गृहकार्य :

- (क) क्या आप विचार किये बिना कार्य करके उसका नतीजा भोग चुके हैं ? जीवन की एक ऐसी घटना का वर्णन कीजिए ।  
 (ख) पठित कुंडलिया की आवृत्ति कीजिए और इसे याद रखिए ।

